पाठ्यक्रम के विषय में

ज्ञान सद्गुण है और सद्गुण है ज्ञान।

– सुकरात

झड़ गए पंख, विषदंत झड़े,
पशुता का झड़ना बाकी है।
ऊपर–ऊपर तन सँवर गये,
मन का सँवरना बाकी है।

– दिनकर

भाषा का प्रयोग दो रूपों में किया जाता है – बोलचाल तथा लिखित रूप में। बोलचाल की भाषा का मतलब दैनिक प्रयोग की भाषा से है। इसमें व्यक्तिगत रचनात्मकता का अभाव होता है। यह सामाजिक रचनात्मकता द्वारा निर्मित होती है। इस कारण इसमें सामाजिक–सांस्कृतिक रिश्तों की प्रगाढ़ता होती है। लिखित भाषा, बोल–चाल की भाषा से थोड़ी भिन्न होती है। मौखिक भाषा जब लिखित रूप में प्रयुक्त होती है तब वह गंभीर हो जाती है, विषय के अनुरूप उसमें परिवर्तन हो जाता है।

लिखित भाषा का प्रयोग केवल साहित्य के लिए ही नहीं होता। कार्यालय, शास्त्र, विज्ञान, कला, संचार आदि के लिए भी इसका प्रयोग अपेक्षित है। कार्यालय, विज्ञान, शास्त्र, संचार आदि की भाषा से साहित्य की भाषा भिन्न होती है। साहित्येत्तर विषयों की भाषा ज्यादा वैचारिक, विश्लेषणात्मक तथा सूचनात्मक होती है। इसमें मानवीय संवेदना, मानवीय मूल्यों की दरकार नहीं होती, किन्तु साहित्यिक भाषा में मानवीय संवेदना, मानवीय मूल्यों के साथ–साथ ज्ञान का विशाल भंडार होता है। वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रधान शिक्षा के इस युग में जहाँ मानवीय संवेदनाएँ मरती जा रही हैं, मानव मूल्य विनष्ट होते जा रहे हैं, वहीं बोलचाल की हिंदी और साहित्य की भाषा हिंदी अपने हजार–हजार हाथों से विश्व मानव मूल्यों के टूटन को, मरती हुई संवेदना को रोक रखती है, तथा मानव के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाती है।

मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखण्ड की हिंदी पाठ्यक्रम समिति ने **रुचि केन्द्रित (CBCS)** सेमेस्टर पद्धति पर आधारित त्रि–वर्षीय

Scanned with CamScanner

स्नातक प्रतिष्ठा एवं सामान्य कक्षाओं के लिए अपने पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय आत्मा की धरोहर, मानवीय मूल्यों एवं संवेदनाओं से परिपूर्ण ऐसी ही हिंदी भाषा एवं साहित्य के महत्वपूर्ण सन्दर्भों एवं हिस्सों को निर्धारित किया है।

स्नातक प्रतिष्ठा, सामान्य के विभिन्न सेमेस्टरों के लिए एक ओर जहाँ हिंदी साहित्य के इतिहास का आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक के विभिन्न खंडों को रखा गया है, वहीं उस काल खण्ड के महान कवियों, लेखकों एवं उनकी महत्त्वपूर्ण कृतियों को भी स्थान दिया गया है। मुख्य हिंदी (भाषा एवं साहित्य), अहिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा (अनिवार्य) हिंदी (MIL) के पाठ्यक्रमों में भी हिंदी साहित्य की महान विभूतियों की विविध विधाओं की महत्वपूर्ण रचनाओं को रखा गया है। इस पाठ्यक्रम में निबंध एवं व्याकरण के भी कुछ हिस्सों को अनिवार्य बनाया गया है।

प्रत्येक भाषा–साहित्य एवं देश का अपना इतिहास होता है। यह अनेक कालखंडों में विभाजित होता है। प्रत्येक कालखंड की अलग–अलग, अपनी–अपनी परिस्थितियाँ होती हैं। राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक आंतरिक एवं बाह्य पर्यावरणीय आदि वातावरण होते हैं। इतिहास का अध्ययन इन्हीं प्राचीन भाषा, साहित्य, सभ्यता, संस्कृति आदि को जानने के लिए आवश्यक होता है, वहीं सृजनात्मक साहित्य मानवमूल्यों में अभिवृद्धि कर व्यक्ति को संवेदनशील बनाकर, उसमें भाषिक दक्षता प्रदान करता है, सौन्दर्यबोध उत्पन्न करता है तथा देश की कामकाजी व्यवस्था के अनुकूल बनाता है। हिंदी आज न सिर्फ राष्ट्रीय गुणवत्ता और संस्कार–संस्कृति की भाषा है वरन् विश्वग्राम की एक महत्ती रोजगारोन्मुख भाषा है जिसे जानने, समझने और अपनाने वालों की संख्या वैश्विक स्तर पर अव्वल है।

हिंदी पाठ्यक्रम समिति,
विनोबा भावे विश्वविद्यालय,
हजारीबाग (झारखण्ड)

12/3/18 12.3.18 12.3.18 12.03.18

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा (HONS) की रूपरेखा

पत्र कोड	पाठ्यक्रम के शीर्षक	पूर्णांक	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल क्रे०
	प्रथम सेमेस्टर				
HIN-H-C-101	आदिकाल : इतिहास एवं साहित्य	100	80	20	5+1
HIN-H-C-102	भक्तिकाल : इतिहास एवं साहित्य	100	80	20	5+1
HIN-H-AECC-103	हिंदी काव्य एवं व्याकरण	50	40	10	2
★ HIN-H-GE-104	आधुनिक काल	100	80	20	5+1
		350			20
	द्वितीय सेमेस्टर				
HIN-H-C-201	रीतिकाल : इतिहास एवं साहित्य	100	80	20	5+1
HIN-H-C-202	आधुनिक काल और साहित्य	100	80	20	5+1
HIN-H-AECC-203	पर्यावरण विज्ञान (विश्वविद्यालय प्रदत्त)	50	40	10	2
★ HIN-H-GE-204	राजभाषा हिंदी	100	80	20	5+1
		350			20
	तृतीय सेमेस्टर				
HIN-H-C-301	आधुनिक काल और साहित्य	100	80	20	5+1
HIN-H-C-302	आधुनिक काल और साहित्य	100	80	20	5+1
HIN-H-C-303	हिंदी उपन्यास	100	80	20	5+1
★ HIN-H-GE-304	आधुनिक हिंदी काव्य	100	80	20	5+1
HIN-H-SEC-305	(परिनियम के आलोक में एनेक्चर–1 पृ०–38) में निर्धारित विषयों में से किसी एक का चयन करेंगे। (सूची–1)	50	40	10	2
		450			26
	चतुर्थ सेमेस्टर				
HIN-H-C-401	हिंदी कहानी (सै० एवं व्यवहारिक)	100	80	20	5+1
HIN-H-C-402	हिंदी नाटक	100	80	20	5+1
HIN-H-C-403	हिंदी एकांकी	100	80	20	5+1
★ HIN-H-GE-404	हिंदी गद्य साहित्य	100	80	20	5+1
HIN-H-SEC-405	(परिनियम के आलोक में एनेक्चर–1 पृ०–38) में निर्धारित विषयों में से किसी एक का चयन करेंगे। (सूची–2)	50	40	10	2
		450			26

12/3/18 12.3.18 12.3.18 प्रेम रंजन

Scanned with CamScanner

पत्र कोड	पाठ्यक्रम शीर्षक	पूर्णांक	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल क्रे०
	पंचम सेमेस्टर				
HIN-H-C-501	हिंदी आलोचना	100	80	20	5+1
HIN-H-C-502	काव्यशास्त्र	100	80	20	5+1
HIN-H-DSE-503 (Gr.-A)	उपन्यास	100	80	20	5+1
Or	अथवा				
(Gr.-B)	कहानी				
HIN-H-DSE-504 (Gr.-A)	नाटक	100	80	20	5+1
Or	अथवा				
(Gr.-B)	एकांकी				
		400			24
	षष्ठ सेमेस्टर				
HIN-H-C-601	जनसंचार	100	80	20	5+1
HIN-H-C-602	पत्रकारिता	100	80	20	5+1
HIN-H-DSE-603 (Gr.-A)	सूरदास	100	80	20	5+1
Or	अथवा				
(Gr.-B)	तुलसीदास				
HIN-H-DSE-604 (Gr.-A)	राष्ट्रभाषा हिंदी	100	80	20	5+1
Or	अथवा				
(Gr.-B)	कामकाजी हिंदी				
		400 + 50			24
	कुल	2450 अंक			140 क्रे०

नोट :–

षष्ठ सेमेस्टर के पत्र HIN-H-DSE-603 या HIN-H-DSE-604 की जगह किसी एक में विद्यार्थी लघु शोध–प्रबंध रख सकते हैं। लघु शोध–प्रबंध 100 अंकों का होगा, जिसमें 80 अंक (5 क्रेडिट) प्रबंध लेखन तथा 20 अंक (01 क्रेडिट) मौखिकी हेतु निर्धारित हैं। इसमें उत्तीर्णांक 50 प्रतिशत होगा।

षष्ठ सेमेस्टर में विद्यार्थियों हेतु 50 अंक अतिरिक्त गतिविधियों पर निर्धारित है।

CC = Core Course (मुख्य विषय)

AECC = Ability Enhancement compulsory Course (क्षमता विकास अनिवार्य पाठ्यक्रम)

★ GE = Generic Elective (वैसे विद्यार्थियों के लिए जो हिंदी प्रतिष्ठा के नहीं अन्य विषयों से प्रतिष्ठा कर रहे हैं)

SEC = Skill Enhancement Course

DSE = Discipline Specific Elective

12/3/18 12.3.18 12.3.18 प्रेम रंजन

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

प्रथम सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-101 कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

क्रेडिट – 05 + 01 आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

आदिकाल : इतिहास एवं साहित्य

इकाई I - हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा, आदिकाल की पृष्ठभूमि – 02 क्रेडिट

इकाई II - आदिकाल : नामकरण, सीमांकन – 01 क्रेडिट

इकाई III - आदिकालीन काव्य प्रवृतियाँ – 01 क्रेडिट

इकाई IV - आदिकालीन काव्य – (विद्यापति पदावली) – 01 क्रेडिट

विद्यापति, गीत–1, 2, 3, 4 सं० रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

विद्यापति
1. वंदना – नन्दक नन्दन कदम्बेरि.....
2. राधा की वंदना – देख देख राधा रूप अपार....
3. देवी–वंदना – जय–जय भैरवि असुर –भयाउनि.....
4. वयः संधि – सैसव जौवन दुहु मिलि गेल.....

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
		कुल	100 अंक

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

प्रथम सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-102 कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

क्रेडिट – 05 + 01 आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

भक्तिकाल : इतिहास एवं साहित्य

इकाई I - भक्तिकाल : प्रेरक परिस्थितियाँ, भक्ति आन्दोलन – 01 क्रेडिट

इकाई II - काव्य प्रवृत्तियाँ – ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी – 01 क्रेडिट

इकाई III - काव्य प्रवृत्तियाँ – राम और कृष्ण भक्ति काव्य धाराएँ – 01 क्रेडिट

इकाई IV - भक्तिकालीन काव्य – (पुस्तक – साहित्य–धारा) – 02 क्रेडिट

कबीर एवं रहीम के दोहे, ओरिएण्ट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
		कुल	100 अंक

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

प्रथम सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-AECC-103

क्रेडिट – 02

कुल अंक – 40 (क्रेडिट–1.5)

आंतरिक मू० – 10 (क्रेडिट–0.5)

हिंदी काव्य एवं व्याकरण

इकाई ।- रश्मिरथी – रामधारी सिंह 'दिनकर', उदयाचल प्रकाशन, पटना – 1 क्रेडिट

इकाई ॥- पत्र लेखन, लिंग निर्णय, पर्यायवाची शब्द, अनेक शब्दों के बदले एक शब्द, मुहावरे, लोकोक्तियाँ। – 0.5 क्रेडिट

12.3.18 12.3.18 12.3.18

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

प्रथम सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-GE-104 | कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

क्रेडिट – 05 + 01 | आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

आधुनिक काल

इकाई I -	हिंदी नाटक का विकास, नाटककार जयशंकर प्रसाद।	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	हिंदी उपन्यास का विकास, उपन्यासकार प्रेमचंद।	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	हिंदी कहानी का विकास, चन्द्रधर शर्मा गुलेरी।	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	हिंदी निबंध का विकास, निबंधकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।	–	01 क्रेडिट

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I+II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I+II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
			कुल 100 अंक

12/3/18 ... 12.3.18 भरत यादव 12.3.18 प्रेम रंजन

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

द्वितीय सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-201 कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

क्रेडिट – 05 + 01 आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

रीतिकाल : इतिहास एवं साहित्य

इकाई I - रीतिकाल का नामकरण और सीमांकन – 02 क्रेडिट

इकाई II - प्रेरक परिस्थितियाँ, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि – 01 क्रेडिट

इकाई III - रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध काव्य – 01 क्रेडिट

इकाई IV - रीतिकालीन काव्य (साहित्य–धारा) – 01 क्रेडिट

बिहारीलाल का जीवन परिचय एवं दोहे

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ.)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
		कुल	100 अंक

12/3/18 12.7.18 12.3.18 12/3/18 प्रेम रंजन

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

द्वितीय सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-202 | कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

क्रेडिट – 05 + 01 | आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

आधुनिक काल और साहित्य

इकाई I - आधुनिकता की अवधारणा, प्रेरक परिस्थितियाँ एवं भारतेन्दु युग – 02 क्रेडिट

इकाई II - द्विवेदी युग, राष्ट्रीय काव्यधारा – 01 क्रेडिट

इकाई III - हरिऔध, रामनरेश त्रिपाठी, मैथिलीशरण गुप्त – 01 क्रेडिट

इकाई IV - माखनलाल चतुर्वेदी, सोहनलाल द्विवेदी – 01 क्रेडिट

पद्य मंजरी – टी० निर्मला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
		कुल	100 अंक

12.3.18 12.3.18 12.3.18

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

द्वितीय सेमेस्टर

विषय कोड – **HIN-H-AECC-203**
क्रेडिट – 02

कुल अंक – 40 (क्रेडिट–1.5)
आंतरिक मू० – 10 (क्रेडिट–0.5)

पर्यावरण विज्ञान

भरत यायावर 12.3.18

प्रेम रंजन

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

द्वितीय सेमेस्टर

विषय कोड – **HIN-H-GE-204** कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

क्रेडिट – 05 + 01 आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

राजभाषा हिंदी

इकाई I -	हिंदी का उद्भव और विकास।	–	01 क्रेडिट
इकाई II -	हिंदी की बोलियाँ – पूर्वी और पश्चिमी हिंदी।	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	राष्ट्रभाषा, राजभाषा और सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी।	–	02 क्रेडिट
इकाई IV -	देवनागरी लिपि का विकास, गुण और दोष।	–	01 क्रेडिट

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ड.)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
		कुल	100 अंक

Scanned with CamScanner

पंत, प्रसाद, निराला –

पंत – ग्रामश्री

प्रसाद – हमारा प्यारा भारत वर्ष

निराला – जागो फिर एक बार

महादेवी – जाग तुझको दूर जाना

नागार्जुन – हटे दनुज दल मिटे अमंगल, अकाल और उसके बाद

दिनकर – आग की भीख

त्रिलोचन – काठ की हांडी

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

तृतीय सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-302 कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

क्रेडिट – 05 + 01 आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

आधुनिक काल और साहित्य

इकाई I - प्रयोगवाद – परिस्थितियाँ, नामकरण, उपलब्धियाँ और प्रवृत्तियाँ – 02 क्रेडिट

इकाई II - नई कविता – परिस्थितियाँ, नामकरण और उपलब्धियाँ – 01 क्रेडिट

इकाई III - अज्ञेय – मैं वहाँ हूँ – 01 क्रेडिट

भवानी प्रसाद मिश्र – जाहिल मेरे बाने

इकाई IV - मुक्तिबोध – भूल गलती – 01 क्रेडिट

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – फसल

पुस्तक : काव्य यात्रा – सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
		कुल	100 अंक

12.3.18 12.3.18

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

तृतीय सेमेस्टर

विषय कोड – **HIN-H-C-303** कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

क्रेडिट – 05 + 01 आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

हिंदी उपन्यास

इकाई I -	हिंदी उपन्यास : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ	– 02 क्रेडिट
इकाई II -	हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास (स्वतंत्रता पूर्व, स्वातंत्र्योत्तर)	– 01 क्रेडिट
इकाई III -	चित्रलेखा – भगवतीचरण वर्मा	– 01 क्रेडिट
इकाई IV -	निर्मला – प्रेमचन्द	– 01 क्रेडिट

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ.)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
			कुल 100 अंक

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

तृतीय सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-GE-304 | कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

क्रेडिट – 05 + 01 | आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

आधुनिक हिंदी काव्य

इकाई I - निराला : भिक्षुक, प्रियतम। – 02 क्रेडिट

पंत : भारत माता, ताज।

इकाई II - दिनकर : परदेशी। – 01 क्रेडिट

बच्चन : बीते दिन कब आने वाले।

इकाई III - भवानी प्रसाद मिश्र : गीत फरोश, नागार्जुन – सिंदूर तिलकित भाल। – 01 क्रेडिट

इकाई IV - धूमिल : पटकथा। – 01 क्रेडिट

(साहित्य–धारा, ओरिएण्ट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली)

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
		कुल	100 अंक

12.3.18 12.3.18

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

तृतीय सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-SEC-305 कुल अंक – 40 (क्रेडिट–1.5)

क्रेडिट – 02 आंतरिक मू० – 10 (क्रेडिट–0.5)

दक्षता विकास (SEC)

परिनियम के आलोक में एनेक्चर–1 (पृ०–38) में निर्धारित विषयों में से किसी एक का चयन करेंगे। (सूची–1)

Annexure-1

Skill Development Couses (Common for All Programmes)

For Honours Degree: (i) Third Semester: Compulsory for All Disciplines

Any one of the following three in a particular college depending upon the facility available:

1. Constitution of India and Human Rights
2. Enviroment and Public Health
3. Computer Applications and Information Techonology

12.3.18 12.3.18

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

चतुर्थ सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-401 कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

क्रेडिट – 05 + 01 आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

हिंदी कहानी (सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक)

इकाई I -	हिंदी कहानी : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	हिंदी कहानी : उद्भव और विकास (स्वतंत्रतापूर्व, स्वातंत्र्योत्तर)	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	कहानी विविधा (तीन कहानियाँ) – सं० देवी शंकर अवस्थी प्रेमचंद– ईदगाह, चन्द्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था जयशंकर प्रसाद – मधुआ	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	कहानी विविधा (दो कहानियाँ) – सं० देवी शंकर अवस्थी विश्वम्भरनाथ शर्मा कौशिक – ताई, चतुरसेन शास्त्री – हल्दी घाटी	–	01 क्रेडिट

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
		कुल	100 अंक

12.3.18 12.3.18

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

चतुर्थ सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-402 | कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

क्रेडिट – 06 + 01 | आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

हिंदी नाटक (सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक)

इकाई I - हिंदी नाटक : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ – 02 क्रेडिट

इकाई II - हिंदी नाटक : उद्भव और विकास (प्रसादपूर्व, प्रसादोत्तर) – 01 क्रेडिट

इकाई III - लहरों के राजहंस – मोहन राकेश – 01 क्रेडिट

इकाई IV - अम्बपाली – रामवृक्ष बेनीपुरी – 01 क्रेडिट

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ.)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
			कुल 100 अंक

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

चतुर्थ सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-403 कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

क्रेडिट – 05 + 01 आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

हिंदी एकांकी (सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक)

इकाई I - हिंदी एकांकी : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ – 02 क्रेडिट

इकाई II - हिंदी एकांकी : उद्‌भव और विकास, नाटक और एकांकी में अंतर – 01 क्रेडिट

इकाई III - स्ट्राइक (भुवनेश्वर), भोर का तारा (जगदीश चन्द्र माथुर), – 01 क्रेडिट
मम्मी ठकुराइन (लक्ष्मी नारायण लाल)

इकाई IV - नये मेहमान (उदयशंकर भट्ट), सूखी डाली (उपेन्द्र नाथ अश्क),
सीमा रेखा (विष्णु प्रभाकर) – 01 क्रेडिट

पुस्तक : एकांकी सप्तक – चंपा श्रीवास्तव, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
		कुल	100 अंक

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

चतुर्थ सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-GE-404 कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

क्रेडिट – 05 + 01 आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

हिंदी गद्य साहित्य

इकाई I -	उपन्यास –	जैनेन्द्र – त्यागपत्र	– 02 क्रेडिट
इकाई II -	कहानी –	प्रेमचन्द – पूस की रात	– 01 क्रेडिट
		जयशंकर प्रसाद : गुण्डा	
इकाई III -	निबंध –	हरिशंकर परसाई – समय काटने वाले	– 01 क्रेडिट
		हजारीप्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल	
इकाई IV -	संस्मरण और रेखाचित्र	– महादेवी वर्मा – सबिया	– 01 क्रेडिट
		रामवृक्ष बेनीपुरी – बुधिया	

(साहित्य–धारा, ओरिएण्ट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली)

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
		कुल	100 अंक

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

चतुर्थ सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-SEC-405 कुल अंक – 40 (क्रेडिट–1.5)

क्रेडिट – 02 आंतरिक मू० – 10 (क्रेडिट–0.5)

परिनियम के आलोक में एनेक्चर–1 (पृ०–38) में निर्धारित विषयों में से किसी एक का चयन करेंगे। (सूची–II)

Annexure-1

Skill Development Couses (Common for All Programmes)

(II) Fourth semester: One from the following may be chosen may be common for a faculty. (?) The courses may include the following:

1. Entrepreneurship
2. Life skills and Personality Development
3. Human Resource Development
4. Legal Aid and Awareness
5. Indian History, Culture and Diversity
6. Science and Life
7. Banking and Finance
8. Building Mathemathical Ability
9. Capital and Stock Market
10. Vocational skill Development
11. Any other subject to be decided by the Academic council.

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

पंचम सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-501

क्रेडिट – 05 + 01

कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

हिंदी आलोचना

इकाई I -	हिंदी आलोचना : परिभाषा, स्वरूप और महत्त्व	– 02 क्रेडिट
इकाई II -	हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास (शुक्लपूर्व, शुक्लोत्तर)	– 01 क्रेडिट
इकाई III -	ऐतिहासिक आलोचना, तुलनात्मक आलोचना	– 01 क्रेडिट
इकाई IV -	सैद्धांतिक आलोचना, मनोविश्लेषणवादी आलोचना	– 01 क्रेडिट

पुस्तक – हिंदी आलोचना : कल और आज, डॉ० केदार सिंह, पुस्तक भवन, नई दिल्ली।

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
		कुल	100 अंक

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

पंचम सेमेस्टर

विषय कोड – **HIN-H-C-502**

क्रेडिट – 05 + 01

कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

काव्यशास्त्र

इकाई I -	काव्य–लक्षण, काव्य–प्रयोजन, शब्द–शक्ति	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	रस–निष्पत्ति, साधारणीकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	छंद – दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला, कवित्त	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	अलंकार – अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, अतिशयोक्ति	–	01 क्रेडिट

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ.)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
		कुल	100 अंक

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

पंचम सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-DSE-503 (Group-A) कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

HIN-H-DSE-503 (Group-B) आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

क्रेडिट – 05 + 01

ग्रुप – 'ए' **उपन्यास (सैद्धांतिक पक्ष)**

इकाई I - उपन्यास : विशेषता, महत्त्व और भेद – 02 क्रेडिट

इकाई II - रेणु – कितने चौराहे – 01 क्रेडिट

इकाई III - मन्नू भंडारी – आपका बंटी – 01 क्रेडिट

इकाई IV - कृष्णा सोबती – ऐ लड़की – 01 क्रेडिट

अथवा

ग्रुप – 'बी' **कहानी (सैद्धांतिक पक्ष)**

इकाई I - कहानी – विशेषता, महत्त्व और भेद – 02 क्रेडिट

इकाई II - बंग महिला (राजेन्द्र बाला घोष) – दुलाई वाली प्रसाद – विराम चिह्न – 01 क्रेडिट

इकाई III - प्रेमचन्द – मृतक भोज यशपाल – समय – 01 क्रेडिट

इकाई IV - रेणु – संवदिया मोहन राकेश – क्लेम – 01 क्रेडिट

(कथा मंजरी – पुष्पपाल सिंह, ज्ञानदूत, दिल्ली)

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
			कुल 100 अंक

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

पंचम सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-DSE-504 (Group-A)
HIN-H-DSE-504 (Group-B)

कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)
आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

क्रेडिट – 05 + 01

ग्रुप – 'ए'

नाटक (सैद्धांतिक पक्ष)

इकाई I - नाटक – तत्त्व, महत्व और भेद – 02 क्रेडिट
इकाई II - जगदीश चंद्र माथुर – कोणार्क – 01 क्रेडिट
इकाई III - मोहन राकेश – आषाढ़ का एक दिन – 01 क्रेडिट
इकाई IV - हरिकृष्ण प्रेमी – रक्षा बंधन – 01 क्रेडिट

अथवा

ग्रुप – 'बी'

एकांकी (सैद्धांतिक पक्ष)

इकाई I - एकांकी – परिभाषा, तत्त्व एवं विशेषता – 02 क्रेडिट
इकाई II - उदयशंकर भट्ट – पर्दे के पीछे – 01 क्रेडिट
इकाई III - विष्णु प्रभाकर – माँ – 01 क्रेडिट
इकाई IV - लक्ष्मी नारायण लाल – कालपुरुष और अजंता की नर्तकी – 01 क्रेडिट

(सात श्रेष्ठ एकांकी – सं०–गंगा प्रसाद, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।
II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।
III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।
IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।
V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ.)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
			कुल 100 अंक

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

षष्ठ सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-601

क्रेडिट – 05 + 01

कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

जनसंचार

इकाई I -	जनसंचार – परिभाषा एवं महत्व	– 02 क्रेडिट
इकाई II -	जनसंचार – स्वरूप एवं विस्तार	– 01 क्रेडिट
इकाई III -	जनसंचार के माध्यम (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया)	– 01 क्रेडिट
इकाई IV -	जनसंचार के माध्यम (प्रिंट मीडिया)	– 01 क्रेडिट

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ.)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
		कुल	100 अंक

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

षष्ठ सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-C-602 कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

क्रेडिट – 05 + 01 आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

पत्रकारिता

इकाई I -	हिंदी पत्रकारिता – परिभाषा, स्वरूप और महत्व	–	02 क्रेडिट
इकाई II -	हिंदी पत्रकारिता – उद्भव एवं विकास (स्वतंत्रता पूर्व, स्वातंत्र्योत्तर)	–	01 क्रेडिट
इकाई III -	समाचार (संकलन–संपादन)	–	01 क्रेडिट
इकाई IV -	पत्रकारिता की प्रकृतियाँ – खेल पत्रकारिता एवं खोजी पत्रकारिता	–	01 क्रेडिट

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ.)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
		कुल	100 अंक

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

षष्ठ सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-DSE-603 (Group-A) कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

HIN-H-DSE-603 (Group-B) आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

क्रेडिट – 05 + 01

ग्रुप – 'ए'

सूरदास

इकाई I - सूरदास : जीवन और दर्शन – 02 क्रेडिट

इकाई II - सूरदास : रचना संसार (रचना वैशिष्ट्य) – 01 क्रेडिट

इकाई III - बाललीला – आरंभ के 10 पद – 01 क्रेडिट

इकाई IV - भ्रमरगीत – आरंभ के 10 पद – 01 क्रेडिट

पुस्तक : सूरसागर – सं० रामचन्द्र शुक्ल, ना०प्र०स०, काशी

अथवा

ग्रुप – 'बी'

तुलसीदास

इकाई I - तुलसीदास : जीवन और दर्शन – 02 क्रेडिट

इकाई II - तुलसीदास : रचना संसार (रचना वैशिष्ट्य) – 01 क्रेडिट

इकाई III - रामचरितमानस – पुष्प वाटिका प्रसंग – 01 क्रेडिट

इकाई IV - कवितावली – आरंभ के 5 पद – 01 क्रेडिट

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ.)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
		कुल	100 अंक

Scanned with CamScanner

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा

षष्ठ सेमेस्टर

विषय कोड – HIN-H-DSE-604 (Group-A) कुल अंक – 80 (क्रेडिट–05)

HIN-H-DSE-604 (Group-B) आंतरिक मू० – 20 (क्रेडिट–01)

क्रेडिट – 05 + 01

ग्रुप – 'ए'

राष्ट्रभाषा हिंदी

इकाई I -	राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिंदी	– 02 क्रेडिट
इकाई II -	मातृभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी	– 01 क्रेडिट
इकाई III -	देवनागरी लिपि : उद्‌भव–विकास, गुण–दोष	– 01 क्रेडिट
इकाई IV -	देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता और मानकीकरण	– 01 क्रेडिट

अथवा

ग्रुप – 'बी'

कामकाजी हिंदी

इकाई I -	प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय, क्षेत्र, शैलियाँ और परिव्याप्तियाँ	– 02 क्रेडिट
इकाई II -	सामान्य हिंदी और प्रयोजनमूलक हिंदी में अंतर	– 01 क्रेडिट
इकाई III -	प्रयोजनमूलक हिंदी : टिप्पणी और पत्र लेखन	– 01 क्रेडिट
इकाई IV -	पारिभाषिक शब्दावली : अभिप्राय, निर्माण की प्रक्रिया और समस्या एवं समाधान	– 01 क्रेडिट

सामान्य निर्देश/अंक विभाजन :

I. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घण्टे की होगी।

II. प्रश्नपत्र के तीन खंड होंगे जो क्रमशः दीर्घउत्तरीय, लघूत्तरीय/व्याख्यात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।

III. दिए गए खण्ड 'क' एवं खण्ड 'ख' से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

IV. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति) से जुड़ा तीसरा खण्ड 'ग' अनिवार्य होगा।

V. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे, साथ ही सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

खण्ड 'क' –	क)		20 अंक
	ख)		20 अंक
	ग)		20 अंक
	घ)		20 अंक
	ङ)		20 अंक
खण्ड 'ख' –	क)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
	ख)	I + II = 10 + 10 =	20 अंक
खण्ड 'ग' वस्तुनिष्ठ (अनिवार्य)		10 X 02 =	20 अंक
			80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा			15 अंक
उपस्थिति			05 अंक
		कुल	100 अंक

12.3.18 12.3.18 12.3.18 प्रेमरंजन

Scanned with CamScanner

Annexure-1

Skill Development Couses (Common for All Programmes)

For Honours Degree: (i) Third Semester: Compulsory for All Disciplines

Any one of the following three in a particular college depending upon the facility available:

1. Constitution of India and Human Rights
2. Enviroment and Public Health
3. Computer Applications and Information Techonology

(II) Fourth semester: One from the following may be chosen may be common for a faculty. (?) The courses may include the following:

1. Entrepreneurship
2. Life skills and Personality Development
3. Human Resource Development
4. Legal Aid and Awareness
5. Indian History, Culture and Diversity
6. Science and Life
7. Banking and Finance
8. Building Mathemathical Ability
9. Capital and Stock Market
10. Vocational skill Development
11. Any other subject to be decided by the Academic council.

Scanned with CamScanner